



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 282] नई दिल्ली, मंगलवार, सितम्बर 26, 1978/आश्विन 4, 1900

No. 282] NEW DELHI, TUESDAY, SEPTEMBER 26, 1978/ASVINA 4, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation.

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1978

सा. का. नि. 473(अ).—कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 821 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एक्स्चेंजर, भारतीय रिजर्व-बैंक, गैर-बैंकिंग कम्पनी विभाग से संलग्न मुख्य अधिकारी, उप-मुख्य अधिकारी तथा सहायक मुख्य अधिकारी को उस अधिनियम की धारा 88क की उप-धारा (6) के अन्तर्गत दंडनीय अपराध की बाबत, उक्त उप-धारा के उद्देश्य के लिए प्राधिकृत करती है।

[फा. सं. 1/151/75-सी. एल. 11]

एस. सी. मिस्तल, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF LAW JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(Department of Company Affairs)

ORDER

New Delhi, the 26th September, 1978

G.S.R. 473(E).—In exercise of powers conferred by sub-section (1) of section 621 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) the Central Government hereby authorises the Chief Officer, Deputy Chief Officer and Assistant Chief Officers attached to the Department of Non-Banking Companies, Reserve Bank of India, for the purpose of that sub-section in respect of an offence punishable under sub-section (6) of section 58A of that Act.

[File No. 1/151/75-CL. XI]

S. C. MITTAL, Jt. Secy.